मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेन्सी एरिया, इन्दौर

विशेषज्ञ आयुर्वेद परीक्षा–2024

–::परीक्षा योजना::–

(अ) अंक–योजना :–

परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
खंड 'अ'–सामान्य अध्ययन	50	150	3 घंटे
खंड 'ब'– विषय– आयुर्वेद	100	300	
योग	150	450	
साक्षात्कार	-	50	
कुल अंक	-	500	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन एक सत्र में 03 घंटे की अवधि का होगा।
2. खंड 'अ' विषय– सामान्य अध्ययन से 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा खंड–'ब' में **आयुर्वेद** विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 100 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। इस प्रकार प्रश्न पत्र में खण्ड 'अ' तथा 'ब' मिलाकर 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न शामिल होंगे। प्रत्येक प्रश्न 03 अंको का होगा। इस प्रकार दोनों खंडों के प्रश्न पत्र का पूर्णांक 450 अंकों का होगा।
3. प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा। **(अभ्यर्थी को एक से अधिक विकल्प चयन करने का अधिकार नहीं होगा। ऐसा किए जाने पर उसे अनुत्तरित (अन अटेम्पटेड) माना जाएगा।)**
4. दोनों खंडो (खंड–'अ' तथा खंड–'ब') में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक खंड में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों खंडों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।

24.6.2024.

5. परीक्षा में ऋणात्मक मूल्यांकन का प्रावधान है। मूल्यांकन (3R-W) = प्राप्तांक पद्धति से होगा। **जहाँ R = सही उत्तरों की संख्या तथा W = गलत उत्तरों की संख्या होगी।** प्रत्येक सही उत्तर के लिए 3 अंक प्रदाय किएं जाएँगे एवं प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा।

6. प्रश्न पत्र का खंड–'अ' हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगा तथा खंड–'ब' केवल हिन्दी भाषा में होगा।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. **साक्षात्कार :–**

साक्षात्कार 50 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में एक प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 05 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा। आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

   1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
   2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा।
   3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा।
   4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा।

5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा। विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।
6. उपर्युक्त अनुसार परीक्षण के उपरांत समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों के लिए प्रश्न पत्र में उपस्थित सभी परीक्षार्थियों को प्रश्न के पूर्णांक प्रदान किए जाएंगे। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिए अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

टीपः– अभ्यर्थी भलीभांति तय कर लें कि वे संबंधित विषय की अनिवार्य अर्हता धारित करते हैं, तभी आवेदन करें। आयोग द्वारा परीक्षा के किसी भी चरण में उनके दस्तावेज मंगाए जा सकते हैं। गलत जानकारी देने पर परीक्षार्थी को विवर्जित (डिबार) किया जा सकेगा।

24.6.26.

परीक्षा नियंत्रक

विशेषज्ञ आयुर्वेद परीक्षा–2024

खंड–'अ'

पाठ्यक्रम– सामान्य अध्ययन

Specialist Ayurved Exam-2024

Section- 'A'

Syllabus-General Studies

इकाई–01: मध्यप्रदेश का इतिहास।

- मध्यप्रदेश का प्राचीन इतिहास–प्रागैतिहासिक काल, आद्यऐतिहासिक काल, ऐतिहासिक काल।
- मध्यप्रदेश का मध्यकालीन इतिहास।
- मध्यप्रदेश का आधुनिक इतिहास।
- मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन।
- मध्यप्रदेश का जनजातीय इतिहास एवं जनजातीय साहित्य।

UNIT-01: History of Madhya Pradesh

- Ancient History of Madhya Pradesh - Prehistoric Period, Protohistoric Period and Historic Period.
- Medieval History of Madhya Pradesh.
- Modern History of Madhya Pradesh.
- Freedom Movement in Madhya Pradesh.
- Tribal History and Tribal Literature of Madhya Pradesh.

इकाई–02: मध्यप्रदेश का भूगोल।

- राज्य की भौगोलिक स्थिति तथा विस्तार, प्रमुख नदियाँ, पर्वत।
- जलवायु: मौसम, मिट्टियाँ, तापमान, वर्षा, वनों के प्रकार और वनोपज।
- कृषि: प्रमुख फसलें, सिंचाई के स्रोत, सिंचाई परियोजनाएँ।
- ताप विद्युत परियोजनाएँ, गैर–पारंपरिक ऊर्जा स्रोत, प्रमुख खनिज ।
- जनसंख्या का आकार, वृद्धि और साक्षरता, यातायात, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग।

UNIT-02: Geography of Madhya Pradesh

- Geographical location and extent of the state, major Rivers, mountains.
- Climate: Seasons, Soils, Temperature, Rainfall, Forest types and Forest produce.
- Agriculture: Major crops, Sources of irrigation, Irrigation projects.
- Thermal power projects, Non-conventional energy sources, Major Minerals.
- Population size, Growth and Literacy, Transportation, Food processing industries.

29.6.2026.

इकाई–03 : मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थव्यवस्था।

Politics and Economy of Madhya Pradesh

भाग–'अ'

मध्यप्रदेश की राजनीति

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रीमंडल, विधानसभा, उच्च न्यायालय, लोकायुक्त।
- राज्य सचिवालय, मुख्य सचिव, संभागायुक्त, पुलिस कमिश्नर।
- जिला प्रशासन, नगरीय प्रशासन, स्थानीय स्वशासन, पंचायती राज संस्थाएँ।
- राज्य चुनाव आयोग, राज्य सूचना आयोग, राज्य अनुसूचित जाति आयोग, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्य महिला आयोग।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निरोधक अधिनियम, 1989; पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार (पेसा) अधिनियम, 1996; पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986; मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, 2004।

Politics of Madhya Pradesh

- Governor, Chief Minister, Cabinet, Vidhan Sabha, High Court, Lokayukta.
- State Secretariat, Chief Secretary, Divisional Commissioner, Police Commissioner.
- District Administration, Urban Administration, Local Self Government, Panchayati Raj Institutions.
- State Election Commission, State Information Commission, State Scheduled Castes Commission, State Scheduled Tribes Commission, State Backward Classes Commission, State Commission for Women.
- Schedule Caste and Schedule Tribe Prevention of Atrocities Act, 1989; Panchayats Extension to Schedule Areas (PESA) Act, 1996; Environment Protection Act, 1986; Madhya Pradesh Govansh Vadh Pratishedh Adhiniyam, 2004.

भाग–'ब'

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था

- मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था का अवलोकन।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवम् ग्रामीण विकास की स्थिति।
- मध्यप्रदेश में औद्योगिक एवम् आधारभूत ढाँचे की संरचना का विकास।
- मध्यप्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास की स्थिति।
- सतत विकास लक्ष्य, व्यवसायिक सुगमता एवम् बहुआयामी गरीबी सूचकांक में मध्यप्रदेश की स्थिति।

Economy of Madhya Pradesh

- Overview of the Economy of Madhya Pradesh.
- Status of Agriculture and Rural Development in Madhya Pradesh.
- Development of Industrial and Infrastructural Framework in Madhya Pradesh.
- Status of Education, Health and Skill Development in Madhya Pradesh.
- Status of Madhya Pradesh in Sustainable Development Goals, Ease of Doing Business and Multidimensional Poverty Index.

24. 6. 26.

इकाई–04 **मध्यप्रदेश की जनजातियाँ : विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य (म.प्र. के विशेष संदर्भ में)**

- मध्यप्रदेश में जनजातियों का भौगोलिक विस्तार, जनजातियों से संबंधित संवैधानिक प्रावधान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं विशेष पिछड़ी जनजातियाँ, जनजातियों के कल्याण के लिए योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृतिः परम्पराएँ, विशिष्ट कलाएँ, त्यौहार, उत्सव, भाषा, बोली एवं साहित्य।
- मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान एवं राज्य के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व। मध्यप्रदेश में जनजातियों से संबंधित प्रमुख संस्थान, संग्रहालय, प्रकाशन आदि।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य।

UNIT-04 Tribes of Madhya Pradesh : Heritage, Folk Culture and Folk Literature (with special reference of M.P.)

- The geographical spread of tribes in Madhya Pradesh, constitutional provisions related to tribes.
- Major tribes of Madhya Pradesh and Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs). Tribal welfare programs.
- Tribal culture of Madhya Pradesh: Traditions, Special arts, festivals, celebrations, language, dialects and literature.
- Madhya Pradesh tribal's contribution to the freedom struggle of India and iconic tribal personalities of state. Popular institutes related to tribes of Madhya Pradesh, tribal museums, publications etc.
- Folk culture and folk literature of Madhya Pradesh.

इकाई–05 **अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी**

- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय समसामयिक घटनाएँ।
- मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ एवं प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं महत्वपूर्ण स्थान।
- कंप्यूटर, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, ई–गवर्नेंस।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का आधारभूत ज्ञान।

29.6.2021.

UNIT-05 Important Contemporary Events of International, National and Madhya Pradesh and Information and Communication Technology

- Important International and National Contemporary events.
- Important Contemporary events and Major Public Welfare Schemes of Madhya Pradesh.
- Prominent Personalities and Important Places of Madhya Pradesh.
- Computers, Information & Communication Technology, E-Governance.
- Basic knowledge of Artificial Intelligence (AI), Machine Learning, Cloud Computing, Data Science and Internet of Things.

---xxx---

24.6.2020.

विशेषज्ञ आयुर्वेद परीक्षा–2024

खंड–'ब'

पाठ्यक्रम – आयुर्वेद

इकाई–I आयुर्वेद सिद्धान्त

- दोष–धातु–मल (कर्म विवेचन, प्रकोप–क्षय–वृद्धि के कारण, लक्षण), षट क्रिया काल, निदान पंचक एवं रोग–रोगी परीक्षा का चिकित्सकीय उपयोग।
- कोष्ठ–कोष्ठांगों–महास्रोतस, पंच ज्ञानेन्द्रियों का परीक्षण एवं चिकित्सकीय उपयोग।
- आयुर्वेद के मूल सिंद्धान्तों की चिकित्सकीय व्याख्या और समकालीन विज्ञान के साथ उनका सह–संबंध।
- अर्वाचीन एवं प्राचीन मतानुसार विभिन्न रोगो के निदान की विधियाँ एवं उसकी चिकित्सकीय उपयोगिता।
- क्लीनिकल फॉर्माकोलाजी का संक्षिप्त ज्ञान एवं महत्व। आयुर्वेदीय फॉमाकोपिया एवं आयुर्वेदिक फॉर्म्यूलरी तथा EDL का सामान्य ज्ञान।

इकाई–II चिकित्सकीय सांख्यिकी एवं अनुसंधान

- चिकित्सकीय सांख्यिकी का सामान्य ज्ञान एवं इसकी आयुर्वेदीय अनुसंधान में उपयोगिता।
- जन सांख्यिकी एवं चिकित्सालय ऑकड़ो का संकलन एवं उसकी उपयोगिता।
- सांख्यिकीय साफ्टवेयर का उपयोग (उदाहरण SPSS, Graph Pad आदि)।
- आयुर्वेदीय अनुसंधान एवं विभिन्न प्रकार के अनुसंधान प्रक्रियाँ का विस्तृत ज्ञान।
- औषधी विकास प्रक्रिया का ज्ञान। अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना एवं EMR – AYUSH योजना का ज्ञान। वैज्ञानिक लेखन एवं प्रकाशन का ज्ञान।

इकाई–III स्वस्थवृत्त योग एवं निसर्गोपचार

- व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं सामाजिक स्वास्थ्य : दिन–संध्या–रात्रि–ऋतुचर्या, त्रयोपस्तम्भ, धारणीय एवं अधारणीय वेग, सद्वृत्त एवं आचार, आहार रसायन।
- आहार : अष्टविध आहार विधि विशेषायतन, द्वादश असन प्रविचारणा, वैरोधिक आहार, विविध आहार कल्पनाए, आयुष आहार एवं उसकी चिकित्सकीय उपादेयता।
- जीवन शैली जनित रोग एवं उनका प्रबंधन। पर्यावरण एवं स्वास्थ्य : सामान्य ज्ञान एवं जनपदोध्वंस, जैविक अपशिष्ट प्रबंधन।
- योग एवं निसर्गोपचार
  - शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में योग एवं योग की सार्वभौमिकता (Globlization of yoga)
  - निसर्गोपचार का सामान्य परिचय, महत्व एवं प्रयोग।
- आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

24.6.2024.

इकाई–IV **अगद तंत्र एवं व्यवहार आयुर्वेद**

- जांगम एवं स्थावर विषों की आयुर्वेद एवं पाश्चात्य मतानुसार विभेदक लक्षण, चिकित्सा एवं साध्यासाध्यता।
- मद–मदात्यय, विभिन्न प्रकार के व्यसन जैसे–मद्य, अफीम एवं उसके उत्पाद, तम्बाकू, भांग एवं उसके उत्पाद। कृत्रिम द्रव्यो के व्यसन जैसे – LSD, MDMA आदि।
- दूषी विष, गर विष, खनिज विष सामान्य परिचय।
- चिकित्सकीय प्रपत्रों का संधारण। न्यायालय एवं न्यायालयीन प्रक्रियाएँ, कार्य विधि एवं संबंधित अधिनियम जैसे– POCSO, PCPNDT एक्ट आदि।
- अगद तंत्र संबंधी आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

इकाई–V **काय चिकित्सा, पंचकर्म एवं आत्यायिक चिकित्सा**

- रसायन–वाजीकरण : परिभाषा, प्रयोजन, प्रकार, महत्व, औषध योग एवं सेवन विधि।
- निम्न व्याधियों का सामान्य कारण, सम्प्राप्ति, लक्षण एवं चिकित्सा :– विभिन्न प्रकार के ज्वर, अतिसार, गृहणी, प्रवाहिका, अर्श, विसूचिका, परिणामशूल, अम्लपित्त, उदररोग, गुल्म, कृमिरोग, शीतपित्त, आमवात, वातरक्त, राजयक्ष्मा, रक्तपित्त, पांडु, कामला, कास, श्वास, हिक्का, कुष्ठ, प्रमेह, मूत्रकृच्छ, मेदोरोग, वातव्याधि, पक्षाघात, अर्दित, कम्पवात, संधिगतवात, कटिग्रह, गृध्रसी, विश्वाची, अवबाहुक, मश्कुलर डिस्ट्रोफी, मोटर न्यूरोन डिसिज, आक्षेपक, उपदंश, पूयमेह, उन्माद, अपस्मार, अतत्वाभिनिवेश व अन्य मानसिक व्याधियाँ, हृदय रोग।
- आक्यूपेशनल, संचारी एवं असंचारी रोगो का ज्ञान एवं उनकी चिकित्सा। आत्यायिक चिकित्सा के सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त एवं चिकित्सा विधिक व्यवहारिक ज्ञान।
- पंचकर्म में प्रयोज्य कर्म और उनका विभिन्न व्याधियों में उपयोग। कर्मों के योग्य एवं अयोग्य । अतियोग, अयोग और सम्यकयोग के लक्षण तथा अतियोग एवं अयोग जनित उपद्रव एवं प्रतिकार। पंचकर्म के प्रयोज्य कर्मों में उपयोग आने वाले यंत्रों का सामान्य परिचय। पंचकर्म तथा भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी)।
- आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

इकाई–VI शल्य तंत्र

- यन्त्र शस्त्रः प्रयोजन, गुण–दोष, निर्जीवाणुकरण। अष्टविध शस्त्रकर्म– प्रकार एवं रोगानुसार क्रिया एवं बंधन विधि। अनुशस्त्र कर्म : क्षार–अग्नि कर्म एवं रक्तमोक्षण प्रकार, रोगानुसार प्रयोग विधि, उत्पन्न उपद्रव एवं उनका निवारण।
- व्रणशोथ, विद्रधि एवं व्रण : निदान, लक्षण, प्रकार एवं चिकित्सा सिद्धांत।
- ग्रंथि–अर्बुद, भग्न एवं संधि भग्न, मूत्रकृच्छ, मूत्राघात एवं अश्मरी, परिवर्तिका–निरूद्ध प्रकश, परिकर्तिका–सन्निरूद्ध गुद, अर्श, भगन्दर, गुदभ्रंश एवं गुदविद्रधि के निदान, भेद, सामान्य लक्षण, औषध एवं शल्य चिकित्सा।
- वृद्धि रोग, पित्ताशय अश्मरी, पित्ताशय शूल एवं शोथ, भेद, कारण, लक्षण एवं औषधीय तथा शल्य चिकित्सा।
- आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

इकाई–VII शालाक्य तंत्र

- नेत्र, मुख, कर्ण, नासा एवं कण्ठ की सामान्य परीक्षा। शिरोगत, कर्णगत, नासागत रोगो के निदान, लक्षण एवं चिकित्सा।
- संधिगत, वर्त्मगत, शुक्लगत, कृष्णगत, दृष्टिगत एवं सर्वगत नेत्र रोगो के सामान्य निदान, लक्षण एवं चिकित्सा।
- दन्तगत, दन्तमूलगत, जिह्वागत, तालुगत, कण्ठगत एवं सर्वसर मुखरोगो के निदान, लक्षण एवं चिकित्सा।
- क्रियाकल्प एवं शालाक्य तंत्रोक्त व्याधियों में विभिन्न पंचकर्मीय स्थानिक प्रयोग।
- आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

इकाई–VIII स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र

- गर्भ–गर्भिणी विज्ञान, गर्भिणी चर्या तथा गर्भ व्यापद्।
- प्रसव विज्ञान एवं प्रसव व्यापद्। सूतिका विज्ञान।
- आर्तवदुष्टि, योनिव्यापद्, बन्ध्यत्व एवं विभिन्न स्त्रीरोगो के कारण, लक्षण एवं चिकित्सा।
- प्रसूति एवं स्त्री रोगो में विभिन्न पंचकर्मीय स्थानिक प्रयोग।
- आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

इकाई–IX कौमारभृत्य

- नवजात शिशु (काल एवं अकाल जात) परीक्षा एवं परिचर्या ।
- स्तन्य प्रकरण : शुद्ध स्तन्य, स्तन्य दुष्टि एवं चिकित्सा। धात्री प्रकरण। बाल परिचर्या : वृद्धि एवं विकास, संस्कार तथा Care during first 1000 days of life.
- बाल रोगो के सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त : औषधमात्रा निर्धारण एवं शैशवीय पंचकर्म।
- विशिष्ट बालरोग, कुपोषणजन्य एवं संक्रामक व्याधियाँ। व्याधिक्षमत्व एवं लेहन तथा स्वर्णप्राशन। राष्ट्रीय टीकारण कार्यक्रम।
- आधुनिक नैदानिक विधियाँ एवं उनके परिणामों का आयुर्वेदीय सिद्धान्तों के साथ समायोजन।

इकाई–X **मानकीकृत सार्वभौमिक आयुर्वेद**

- आयुर्वेद की सार्वभौमिकता– विदेशो में आयुर्वेद का प्रचार–प्रसार एवं स्वीकार्यता। आयुर्वेद के क्षेत्र में वर्तमान समय में चिकित्सकीय शोध प्रगति का सामान्य ज्ञान। जैव सूचना विज्ञान (Bioinfromatics), ऑकड़ा कोष (Data Base), बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights), ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL)।
- आयुष मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति आयोग (NCISM), केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS), राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (NMPB) की संगठनात्मक रचना का ज्ञान। आयुर्वेदीय शीर्ष संस्थानों– ITRA जामनगर, AIIA, नई दिल्ली, IMS बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर आदि का परिचयात्मक ज्ञान।
- विभिन्न मानकीकरण संस्थानों जैसे– NABH, QCI, NABL आदि का परिचयात्मक ज्ञान। विभिन्न नियम एवं विनियम जैसे – फार्मेकोविजिलेन्स, ड्रग एण्ड कास्मेटिक एक्ट, मैजिकल रेमेडी एक्ट, नार्कोटिक ड्रग एण्ड सायकोट्रापिक सब्सटान्स एक्ट, बायोमेडिकल वेस्ट मेनेजमेन्ट एक्ट आदि का परिचयात्मक ज्ञान।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 और आयुर्वेद। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम, जैसे सुप्रजा, वयोमित्र, आयुर्मित्र, आयुषग्राम, आयुष्मान आरोग्य मंदिर आदि का ज्ञान ।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रम, जैसे राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम आदि का ज्ञान। विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का ज्ञान।

–XX–